PO/MIS 22.8.13

विद्यालय निरीक्षण प्रपत्र

1. **विद्यालय का नाम** : रा0म0वि0, रूपौली, समस्तीपुर **डायस कोड संख्या** : 10191105204
2. **पंचायत** – रूपौली बुजूर्ग **प्रखण्ड** – सरायरंजन **जिला** – समस्तीपुर
3. **निरीक्षण की तिथि** : 17.08.2013
4. **निरीक्षी जन प्रतिनिधि/पदाधिकारी का नाम** : हसन वारिस, निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, पटना
5. **कुल नामांकित बच्चे** : 856 **उपस्थित बच्चे** : 210 **प्रतिशत** : 25%
6. **कुल शिक्षक** : 14 **उपस्थित शिक्षक** : 14 **प्रतिशत** : 100%
7. **कक्षावार नामांकन, उपस्थिति तथा प्रतिशत** :

	नामांकित छात्र	नामांकित छात्रा	उपस्थित छात्र	उपस्थित छात्रा	उपस्थित प्रतिशत छात्र	उपस्थित प्रतिशत छात्रा
कक्षा–1	22	29	2	1	9	3
कक्षा–2	37	48	3	6	8	12.5
कक्षा–3	26	27	4	10	15	37
कक्षा–4	35	39	10	7	28.5	18
कक्षा–5	30	53	7	11	23	21
कक्षा–6	90	101	17	20	19	20
कक्षा–7	62	93	17	35	27	38
कक्षा–8	85	79	27	33	32	42
कुल	387	469	87	123	22%	26%
Grand Total	नामांकित विद्याथी – 856, उपस्थित विद्यार्थी – 210, प्रतिशत – 24.5%					

(कृ0उ0पृ0–2)

8. आधारभूत संरचना की स्थिति :

सामग्री	निर्मित (संख्या दें)	निर्माणाधीन (संख्या दें)	उपयोग योग्य (हाँ/नहीं)	मरम्मति/रख–रखाव की आवश्यकता (हाँ/नहीं)
कक्षा–कुल संख्या	19	–	(i) 2 परित्यक्त किया गया है । (ii) 6 नवनिर्मित, उपयोग नहीं । (iii) 11 का उपयोग	रख–रखाव की आवश्यकता है ।
पेय जल	03	–	उपयोग मात्र 01	02 नहीं
शौचालय	06 Urinal - 09	–	01 बंद है, वर्षों से उपयोग नहीं	अन्य बहुत ही गंदे हैं
बालिका शौचालय	01	–	बंद है	
किचेन शेड	01 पक्का	–	01 हाँ	
HM कमरा	01	–	बिल्कुल ठी है, परन्तु उपयोग नहीं	
चेतना सत्र स्थल	है	साफ–सुथरा	उपयोग हो रहा है	
खेल मैदान	है		नहीं	
खेल सामग्री	खेल सामग्री है			बेगाटेली, कैरम, क्रिकेट, लूडो आदि है
चहारदिवारी	है, पूरब से नहीं			पूरब की ओर चहारदीवारी की आवश्यकता है ।

9. शैक्षिक सामग्री – उपलब्धता, उपयोग की स्थिति

सामग्री	उपलब्ध/अनुपलब्ध	छात्र द्वारा उपयोग (हाँ/नहीं)	शिक्षक द्वारा उपयोग (हाँ/नहीं)
पाठ्य पुस्तक	कक्षा–6 छोड़कर बाकी का उपलब्ध, 52 सेट अधिक	हाँ	
शिक्षक साथी	उपलब्ध	LFM का ज्ञान H.M. को नहीं	नहीं
सेतु सामग्री	उपलब्ध	H.M. को ज्ञान नहीं	नहीं
पुस्तकालय हेतु पुस्तक	है	उपयोग नहीं	नहीं
खेल का सामान	है	उपयोग नहीं	

TLM	है	उपयोग नहीं	
छात्र प्रगति पत्रक	है	उपयोग नहीं	
विद्यालय प्रगति पत्रक	है	उपयोग नहीं	
शिक्षक प्रगति पत्रक	है	उपयोग नहीं	
समाचार पत्र चल पढ़ कुछ बन	पहले आता था, परन्तु अप्रील, 2013 से नहीं आया है ।	नहीं **NB** :- क्योंकि पुराना भी दिखाया नहीं गया ।	नहीं

10. शैक्षिक गतिविधि : (√ का निशान लगाएँ):

	उपयोग संतोषप्रद	सुधार आवश्यक	उपयोग नहीं हो रहा है	अभ्युक्ति
गीत गाना	असंतोषप्रद	√	√	
श्यामपट्ट का उपयोग	साधारण	√		असंतोषप्रद
प्रथम कक्षा नामित शिक्षक	राज कुमार राम	√		सक्षम नहीं हैं
दक्षता आधारित समूहीकरण (3,4,5)	नहीं, H.M. को पता नहीं			
शिक्षक साथी गतिविधियों का उपयोग	नहीं, H.M. को पता नहीं			
संकुल प्रभारी का सहयोग	दिनांक 13.8.2013 को श्री शिव सकल महतो पत्र/उपयोगिता देने के लिए आए ।			किसी प्रकार का Academic Support नहीं
प्रखण्ड साधन व्यक्ति का सहयोग	पुरूषोत्तम कुमार 10 जुलाई को शौचालय का Report लेने आए थे ।			शौचालय का भौतिक सत्यापन किया । Academic Support नहीं ।

11. सामुदायिक भागीदारी/गतिविधियाँ

गतिविधि	सक्रिय/निष्क्रिय	अभ्युक्ति
विद्यालय समिति	निष्क्रिय	
मीना मंच	दिनांक 11.05.2013 को बैठक	केवल कागज पर , छात्राओं को मीना मंच का ज्ञान नहीं है ।
बाल संसद	निष्क्रिय, दिनांक 20.4.13 को बैठक	केवल कागज पर , छात्रों को बाल संसद का ज्ञान नहीं है ।
अक्षर आँचल योजना	निष्क्रिय	
टोला सेवक	निष्क्रिय	
तालिमी मरकज	–	
प्रेरक	श्री जगन्नाथ पासवान (निष्क्रिय)	
सामाजिक उत्सव का आयोजन	दिनांक 15.08.2013 को	प्रधानाध्यापक के कथनानुसार, प्रमाण नहीं दिखा ।

12. **विद्यालय मूल्यांकन** :

शिक्षक कैसे हैं ? { 1. विषय का ज्ञान : 2. पढ़ाने का तरीका }

(i) विद्यालय 9.05 बजे पूर्वाह्न में पहुँचा ।

(ii) 8 शिक्षक उपस्थित थे, परन्तु उन्हें चेतन सत्र आयोजित करने की चिन्ता नहीं थी । वे उदासीन इधर–उधर टहल रहे थे ।

(iii) मेरे आगमन के उपरान्त श्री सत्य नारायण राय, शारीरिक शिक्षक विलम्ब से आये । उनके द्वारा छात्र/छात्राओं को पंक्तिबद्ध किया गया ।

(iv) दो छात्रों के द्वारा बिहार गीत एवं विद्यालय प्रार्थना पढ़ा गया, जिसे सारे बच्चों ने दोहराया । परन्तु, प्रार्थना एवं बिहार गीत में लय का अभाव तो था ही, कई शब्दों का उच्चारण भी सही नहीं था ।

(v) प्रार्थना के उपरान्त शारीरिक शिक्षक के द्वारा ड्रील कराया गया, जिसमें भी बच्चों में कोई लय या उत्साह नहीं पाया गया ।

(vi) प्रार्थना एवं ड्रील के दौरान अन्य शिक्षक/शिक्षिका उदासीन खड़े रहे, जैसे उन्हें चेतना सत्र से कोई लेना–देना न हो ।

(vii) 90 प्रतिशत बच्चे स्कूल ड्रेस में नहीं पाये गये । कई एक छोटे बच्चों के हाथ के नाखून बढ़े हुए एवं मैलयुक्त पाये गये ।

(viii) अन्य निम्नलिखित 5 शिक्षक/शिक्षिका, यथा – श्रीमती निर्मला कुमारी, श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव, श्रीमती मुमताज बेगम, श्रीमती प्रीति कुमारी एवं श्री सत्य नारायण राय, जो विलम्ब से विद्यालय पहुँचे थे, उन्हें यह चिन्ता नहीं थी कि वर्ग में जाकर वर्ग व्यवस्थित करें, बल्कि उन्हें देर से उपस्थिति बनाने हेतु Permission मिल जाए, इसकी चिन्ता थी।

(ix) वर्ग-VII में बिना किसी TLM (चार्ट आदि) की सहायता से शिक्षक श्री प्रीतम कुमार पंकज, समाज विज्ञान के तहत "संसदीय सरकार" शीर्षक बोर्ड पर लिखकर बच्चों से मुखातिब थे, परन्तु उनका पूरा ध्यान हमलोगों पर था । उनके वर्ग के मात्र एक बच्चे को अपने क्षेत्र के सांसद का नाम पता था ।

(x) वर्ग-VIII में श्री रवीन्द्र गिरी गणित पढ़ा रहे थे । जब श्री संजय कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बच्चों से पूर्व के अध्याय से प्रश्न पूछा तो एक बच्चे को छोड़कर अन्य सभी खामोश रहे ।

(xi) वर्ग-II में श्रीमती मुमताज बेगम अंग्रेजी पढा रही थी । बच्चों से simple शब्द जैसे bat-ball आदि को spell करने के लिए कहा गया । सभी चुप रहे । केवल एक बच्ची ने Apple एवं elephant का spelling सही–सही बताया । श्री संजय के पूछताठ करने पर पता चला कि वह ट्यूशन पढ़ती है । मैने शिक्षिका से कहा आप कोई हीं शब्द पूछें, जिसका spelling बच्चे बता सकें । शिक्षिका का उत्तर था "पढ़ने वाले बच्चे विद्यालय नहीं आते हैं ।"

(xii) वर्ग-I में मात्र तीन बच्चे, दो लड़का और एक लड़की थी । उसमें शिव कुमार को छोड़कर अन्य दो गिनती भी नहीं जानते थे । शिव कुमार गिनती के अतिरिक्त 2 का पहाड़ा भी जानता था । पता चला कि वह भी ट्यूशन पढ़ता है । वर्ग बिल्कुल निरस था, TLM का अभाव था एवं वर्ग में ही टूटी कुर्सी रखी थी । माहौल ऐसा था कि वहाँ बच्चों के आकर्षण का कोई सामान नहीं था ।

(xiii) श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव, शिक्षिका "मीना मंच" की प्रभारी हैं । निरीक्षण की तिथि को उपस्थित वर्ग-VII एवं वर्ग-VIII के बच्चियों से "मीना मंच" के सन्दर्भ में प्रश्न करने पर पता चला कि उन्हें "मीना मंच" का कोई ज्ञान नहीं है ।

(xiv) श्रीमती श्रीवास्तव जुलाई से दिनांक 14.08.2013 तक सराय रंजन बी0आर0सी0 में BEO के द्वारा प्रतिनियोजित थी । उनसे पृच्छा करने पर कि बी0आर0सी0 में उन्होंने क्या कार्य किया, वे एक कार्य का भी उल्लेख नहीं कर सकीं । ऐसा लगता है कि यह कागजी प्रतिनियुक्ति थी ।

(xv) विद्यालय में पुस्तकालय हेतु उपलब्ध करायी गई पुस्तकें अभी भी बंडल के रूप में रखी है । शिक्षकों को इसकी चिन्ता नहीं है कि पुस्तकों का उपयोग हो ।

(xvi) विद्यालय में TLM और खेल सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है । खेल का मैदान भी है, परन्तु शिक्षकों की उदासीनता के कारण TLM और खेल सामग्री का उपयोग नहीं हो रहा है ।

(xvii) विद्यालय में **विधिवत्** प्रधानाध्यापक नहीं है । प्रभारी प्रध्यानाध्यापक श्री शान्ति **भूषण** चौधरी, प्रधानाध्यापक के लिए निर्मित कक्ष में नहीं बैठते हैं । सन्दर्भित कक्ष में टूटी कुर्सी एवं अन्य सामान बिखरा था, जबकि कक्ष प्रकाशमान एवं हवादार है । उन्हें यह मलाल है कि उन्हें सेवा–निवृत्त होने वाले प्रधानाध्यापक, श्री हरिशचन्द्र झा ने वित्तीय प्रभार नहीं दिया है, अतः वे विद्यालय के संचालन में रूचि नहीं रखते हैं ।

(xviii) सी0आर0सी0 श्री शिव सकल महतो को अकादमिक अनुश्रवण (academic support) का अर्थ ही पता नहीं है ।

(xix) **प्रखण्ड साधन सेवी श्री पुरूषोत्तम कुमार 10 रोज पहले आये थे। शौचालय** का physical staus लेकर चले गये, **उन्होंने विद्यालय** के अकादमिक **गतिविधियों** (academic activities) के **सन्दर्भ** में शिक्षकों के साथ कभी चर्चा नहीं की है ।

(xx) अभिलेखों से स्पष्ट हुआ कि विद्यालय में छात्र प्रगति पत्रक, शिक्षक प्रगति पत्रक, भाषा सेतू (मैथिली) एवं शिक्षक संदर्शिका उपलब्ध है, परन्तु प्रधानाध्यापक को इसका ज्ञान हीं नहीं है ।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि विद्यालय में आवश्यकता से अधिक आधारभूत संरचना, TLM, **खेलकूद** की सामग्री, खेल का मैदान, 15 शिक्षक/शिक्षिका का बल होने के **बावजूद** विद्यालय में पठन–पाठन का माहौल नहीं है । ऐसा लगता है कि शिक्षक/शिक्षिका को पठन–पाठन में कोई रूचि नहीं है । अतः उन्हें विषय का ज्ञान और पढ़ाने का तरीका आता है या नहीं, इस बिन्दु पर comment करना कठिन है ।

(कृ0उ0पृ0–6)

आधारभूत संरचना कैसी है ? { परिवेश कैसा है, बच्चों के आकर्षण हेतु कुछ विशेष अवयव है/नहीं, सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ इत्यादि }

(i) विद्यालय का भवन कई खण्डों में है । खेल का मैदान है । केवल पूरब की ओर से चहारदिवारी नहीं है ।

(ii) विद्यालय में सामग्रियों के रहने के बाद भी सह–शैक्षणिक गतिविधियों का अभाव है। ऐसा कुछ विशेष अवयव नहीं पाया गया, जो बच्चों को आकर्षित करे ।

(iii) (a) एक दो मंजिला भवन, जिसमें 18×22 के तीन कमरे ground floor में और तीन कमरे first floor में हैं, यूँहीं पड़ा है और उसका उपयोग नहीं किया जा रहा है। कारण पूछने पर पता चला कि पूर्व के प्रधानाध्यापक की देख–रेख में निर्माण हुआ है, परन्तु उसे विद्यालय को सौंपा नहीं गया है ।

(b) सी0आर0सी0 का भवन यूँहीं बेकार पड़ा है । उसके मुख्य hexagonal hall में मध्याह्न भोजन का सामान बर्त्तन आदि बेहतरतीब एवं गर्द–धूल के बीच रखा पाया गया । सी0आर0सी0सी0 का रूम जलावन की लकड़ियों और कचरा से भरा मिला । उल्लेखनीय है कि भवन की स्थिति सही है और उसका उपयोग प्रशिक्षण के लिए किया जा सकता है। सी0आर0सी0 श्री शवि सकल महतो के अनुसार उक्त भवन के पीछे शौचालय होने के कारण वे वहाँ नहीं बैठते हैं ।

(c) NPEGEL रूम के नाम पर एक कमरे में ताला बंद पाया गया । खुलवाकर देखने पर पता चला कि उक्त कमरे में water tank, खेलकूद की सामग्री यथा –कैरम बोर्ड, बेगाटेली, लुडो, क्रिकेट किट आदि, महापुरूषों की फ्रेमयुक्त तस्वीरें एवं अन्य कई सामग्री store कर रखी गयी है, जिसका उपयोग कर बच्चों में स्कूल के प्रति आकर्षण उत्पन्न किया जा सकता है ।

(d) दो कमरे का एक और भवन है, परन्तु इस भवन का उपयोग नहीं हो रहा है, जबकि भवन ठीक है ।

(e) प्रधानाध्यापक के लिए अलग से प्रकाशमान एवं हवादार कक्ष है । कक्ष में ताला बंद पाया गया । ताला खुलवाकर देखने पर अन्दर टूटा फर्नीचर एवं कचरा देखा गया । इस कक्ष का उपयोग प्रधानाध्यापक नहीं करते हैं ।

(iv) प्रधानाध्यापक कक्ष में मध्याह्न भोजन के रसोईया (MDM Cook) के लिए Apron एवं कैप रखा मिला, जिसे जिला से रसोईया को देने की हिदायत के साथ भेजा गया था, परन्तु इसे रसोईया को देने की चिन्ता किसी को नहीं है ।

(v) प्रधानाध्यापक के कक्ष में अग्निशामक यंत्र पैक रखा देखा गया ।

(vi) तीन हैन्ड पम्प में केवल एक functional पाया गया ।

(vii) हर दिशा में toilet और urinal है, परन्तु पानी के अभाव में maintained नहीं है । गन्दगी का यह आलम है कि इसे उपयोग करना कठिन है । एक बालिका शौचालय पाया गया, परन्तु ताला बंद कर रखा गया, जिसका कोई कारण नहीं बताया गया ।

(viii) गाँव वासियों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्यों का विद्यालय से जुड़ाव हो, ऐसा कोई तथ्य या प्रमाण नहीं मिला ।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि विद्यालय में सारे आधारभूत संरचना रहने के बावजूद भी विद्यालय में बच्चों के आकर्षण के लिए कुछ भी नहीं है तथा सह–शैक्षणिक गतिविधियों का पूर्णतः अभाव है ।

उपरोक्त वर्णित तथ्यों से स्पष्ट है कि विद्यालय की जो अवस्था है, उससे मिशन गुणवत्ता के उद्देश्यों की प्राप्ति सम्भव नहीं है ।

विद्यालय कैसा है ?

विद्यालय में पठन–पाठन की औपचारिकता निभायी जा रही है । बच्चों के आकर्षण हेतु कुछ भी नहीं है । विद्यालय निष्क्रिय है । यहाँ के शिक्षक/शिक्षिका को sensitized करने के साथ–साथ इसे गॉव से जोडने की कार्रवाई करनी होगी ।

13. निरीक्षण तिथि को कितने बच्चों के लिए मिड–डे मिल बना ? I-V = 61, VI-VIII - 149

14. निरीक्षण तिथि के एक दिन पूर्व कितने बच्चों के लिए मिड–डे मिल बना ? I-V = 258, VI-VIII - 82

15. क्या मिड–डे मिल का लेखा अद्यतन है ? नहीं ।

ह0/–
निदेशक,

ज्ञापांक 2076/ पटना, दिनांक 21 अगस्त, 2013

प्रतिलिपि जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर/राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, बिहार, पटना/निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना, बिहार, पटना/निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, बिहार, पटना/क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा/जिला शिक्षा पदाधिकारी, समस्तीपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

21.8.13
निदेशक,
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना–6.